eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 5, Issue 02, July 2022

उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव

[1]डॉ0 अंशुबाला

[1]सहायक प्रोफेसर–राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला स्ना0 महाविद्यालय, बिन्दकी, फतेहपुर।

Received: 10 July 2022, Accepted: 20 July 2022, Published with Peer Reviewed on line: 31 July 2022

Abstract

ऑनलाइन शिक्षा एक नयी शिक्षा पद्धति है जिसमें इण्टरनेट के माध्यम से संचार उपकरणों का प्रयोगकर किसी भी विषय पर ज्ञान घर से बैठकर घर पर प्राप्त कर सकते है। इसके लिए शिक्षक और शिक्षार्थी दोनो के पास मोबाइल या टेबलेट, कम्प्यूटर, लैपटाप इत्यादि होना आवश्यक होता है। आधुनिक भूमंडलीकरण तथा वैश्वीकरण के युग में शिक्षा के स्वरूप में भी परिवर्तन दृष्टिगत हुआ ,सूचना संचार की क्रांति ने भौगोलिक दूरियों को घटा दिया जिसका प्रभाव शिक्षा जगत में दिखाई दिया अब हम घर में बैठकर इंटरनेट प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश–विदेश के किसी भी श्रेष्ठ विद्वान से शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं तथा पूरे विश्व की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं किसी भी विषय में हमें जानकारी लेना हो तो इंटरनेट का प्रयोग कर हम तुरंत ही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षक दुनिया के किसी भी कोने में बैठ कर अपने छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान कर सकता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सकारात्मक कदम है। 2019 में जब कोरोना महामारी ने पूरे दुनिया के लोगों को घरो में सीमित कर दिया ,उस समय ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा जगत में एक वरदान साबित हुई। जो ऑनलाइन शिक्षा अभी तक तकनीकी संस्थानों के छात्रों तक सीमित थी वह प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर सभी के लिए वरदान सिद्ध हुई। इसके लिए ई–शिक्षा, आभासी शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, डिजिटल शिक्षा इत्यादि शब्द प्रयोग किये जा सकते है।

मुख्य शब्द– आनॅलाइन शिक्षण, तकनीकी, डिजिटल, उच्च शिक्षा, ई कन्टेन्ट, जूम, इण्टरनेट, सम्भावनाये, चुनौतियॉं, छात्र, छात्रा, शिक्षण संस्थायें।

Introduction

शिक्षा का तात्पर्य है 'सीखना' यह वह प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत मनुष्य के अंर्तनिहित गुणों का विकास होता है पहले हम गुरुकुल में जाकर गुरु के साथ समय व्यतीत का शिक्षा ग्रहण करते थे बाद में देश काल परिस्थिति के अनुरूप शिक्षा ग्रहण करने के तरीकों में भी परिवर्तन हुआ गुरुकुल, विद्यालय, विश्वविद्यालय प्रमुख शिक्षा के केंद्र बने जहां शिक्षार्थी कक्षा में बैठकर शिक्षक से शिक्षा ग्रहण करते रहे हैं।

लॉकडाउन के समय जब पूरी दुनिया के लोग घरों में बंद हो गए तो बच्चों की शिक्षा की चिंताएं सताने लगी उस समय ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर लैपटॉप, टेबलेट के माध्यम से लोगों के लिए एक

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 5, Issue 02, July 2022

वरदान साबित हुई महामारी के समय ऑनलाइन शिक्षा 'घर से पढ़ने' तथा 'घर से पढ़ाने' की पद्धति ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से ही संभव हुई इसके प्रभाव को देखते हुए ऑनलाइन शिक्षा की संभावनाओं और चुनौतियों के प्रति सरकार का भी ध्यान गया ऑनलाइन शिक्षा में तकनीक पर विशेष बल देने का प्रयास किया गया उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा के महत्व को देखते हुए केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा डिजिटल लाइब्रेरी पाठ्यक्रम अनुरूप ही कंटेंट तैयार करके अपलोड करने हेतु गाइड लाइन तैयार की गई शिक्षकों हेतु e-content बनाने के लिए प्रशिक्षण तथा विश्वविद्यालयों में डिजिटल डिवाइस एवं इंटरनेट की उपलब्धता विद्युत आपूर्ति ,स्मार्ट क्लास ,ऑनलाइन क्लासेज ,ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे जो माइक्रोसॉफ्ट वेबैक्स ,गूगल मीट को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। आने वाले वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं तथा इसको आम लोगों तक पहुंचाने हेतु एक चुनौती के रूप में है सभी लोगों ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने का को समान अवसर मिल सके यह एक चुनौती है।

शोध का उद्देश्य :–

1. उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण के प्रभाव पर अध्ययन।
2. ऑनलाइन शिक्षण के सकारात्मक तथा नकारात्मक परिप्रेक्ष्य का अध्ययन।
3. ऑनलाइन शिक्षण के समझ चुनौतियॉ क्या है।

आई.आई.टी बाम्बे के प्रोफेसर सहाना मूर्ति का यह मानना है कि आमने सामने की पढ़ाई से अचानक ऑनलाइन माध्यम में स्थानांतरित होने से शिक्षा प्रदान करने का स्वरूप बिल्कुल बदल गया है। ऑनलाइन शिक्षा आपात कालीन रिमोट टीचिंग कहा जा सकता है।

सकारात्मक पक्ष :– उच्च शिक्षा जगत में आनॅलाइन शिक्षा एक विकल्प के रूप में कोरोना काल में आयी। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इसका प्रयोग पहले से ही हो रहा था किन्तु सामाजिक तथा मानवीकिय विषयों में यह कोविड काल में अधिक प्रयोग में आयी।

इसको सकारात्मक पहलू को देखते हुये केन्द्र तथा राज्य सरकारो ने भी इसको बढ़ावा देने हेतु प्रयास किया। तकनीक का सहारा लेकर शिक्षण कार्य को अधिक रूचिकर और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है यह चर्चा का विषय बना।

आनॅलाइन शिक्षा में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनो को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं पडती घर से तथा घर में रहकर ही शिक्षण कार्य का सम्पादन होता है। यात्रा व्यय की भी बचत होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से किसी भी विषय के अपने पसन्द के देश विदेश के शिक्षकों के व्याख्यान से लाभ प्राप्त कर सकते है। यह कम खर्चीली प्रक्रिया है इसमे हम मुफ्त या कम खर्च पर ई–कन्टेन्ट प्राप्त कर सकते है। किसी विषय पर एक बार नही समझ आने पर रिवांइड कर उसको ठीक से समझ सकते है। ऑनलाइन शिक्षा स्व अनुशासित है। ऑनलाइन शिक्षा में महिलाएं जो गृहणी है घर में ही रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकती है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 5, Issue 02, July 2022

ऑनलाइन शिक्षा में दूरी तथा समय की बाध्यता को मिटा दिया जब चाहें जहॉ चाहें वहॉ बैठकर ऑनलाइन शिक्षा के रिकार्डेड लेक्चर यू–टयूब आदि की मदद से शिक्षा ग्रहण कर सकते है। डिजिटल डेटा को सेव कर पूर्व में दिये गये लेक्चर को किसी भी समय उपयोग किया जा सकता है।

नकारात्कम पक्ष :– ऑनलाइन शिक्षा कोविड–19 के समय एक विकल्प के रूप में आयी लेकिन भारत जैसे विकासशील देश में यह अभी ऑफलाइन षिक्षण का विकल्प नही है। उच्च षिक्षा ऑनलाइन शिक्षा से नेत्र समस्या, रीढ़ तथा अगुलियों में विकृति की समस्या देखने को मिली है। ऑनलाइन शिक्षा पद्धति सभी प्रकार के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी नहीं है कुछ छात्र हार्डकापी की अपेक्षा स्क्रीन पर समझना कठिन होता है। ऑफलाइन शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों की तरफ सवांद होता है तो शिक्षक को पता चलता है कि शिक्षार्थी ने कितना ग्रहण किया तथा शिक्षार्थी को समस्या होने पर आसानी से संवाद कर सकता है ऑनलाइन में यह सुविधा कम है। ऑनलाइन शिक्षण में शिक्षक सभी से एक साथ सवांद नही स्थापित कर सकता है। जबकि ऑफलाइन में यह सम्भव है।

ऑनलाइन शिक्षण से ग्रामीण अचल के छात्र छात्राओं तथा षहरी छात्रों के मध्य विषमता दृष्टिगत होगी। क्योंकि आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्र में इण्टरनेट की सुविधा का आभाव, तकनीकि संसाधनों का आभाव है। उन्हें बदलती परिस्थितियों को परिस्थिति अनुरूप शिक्षण परिवेश को अपनानें में समय लगेगा।

ऑनलाइन शिक्षण से एक छोटे से तबके में छात्र छात्राओं को लाभ अधिकांश लोग वंचित है। समावेशी विकास के लिये यह सही नही है। ऑनलाइन शिक्षण में छात्र–छात्राओं का मूल्याकंन बेहतर तरीके से नही हो सकता इसमें नकल की सम्भावना अधिक है। मूल्यों का भी आभाव है।

ऑनलाइन शिक्षण में अनुशासन का आभाव है यह स्वअनुशासित शिक्षण पद्धति है। इसमें शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से छात्र को पढ़ाई के लिये बाध्य नही कर सकता। विकल्पों की अधिकता के कारण छात्र–छात्रा अपने विषय की अपेक्षा अन्य पर ध्यान केन्द्रित कर सकते है। कोविड के समय ऑनलाइन शिक्षण में देखा गया है कि शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से पढ़ा रहा छात्र आडियों, विडियों काटकर अन्य कार्य में सलग्न है। जबकि क्लासरूम टीचिंग में शिक्षक कक्षा में छात्रों पर अनुशासन रखता है तथा शिक्षण के समय छात्र उसके सम्मुख रहता है प्रश्न पूछ कर शिक्षक यह जान भी सकता है की उसने कितना ग्रहण किया है।

नेशनल सैंपल सर्वे शिक्षा से जुडे 75वें चरण के आंकडे बताते है कि देश में केवल 24 प्रतिशत घरों मे ही इण्टरनेट की सुविधा है, वह देश के केवल 11 प्रतिशत घरों में अपने कम्प्यूटर है गांव में केवल 4.4 प्रतिशत घरो में इण्टरनेट यूजर है। बिजली या ऊर्जा की समस्या ऑनलाइन शिक्षा में बडी समस्या है। ऑनलाइन शिक्षण के सकारात्मक पक्ष तथा नकारात्मक पक्ष को देखते हुये हम कह सकते है कि ऑनलाइन शिक्षण में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सम्भावनायें तथा चुनौतियां दोनो है। सूचना संचार की क्रांति के युग में इण्टरनेट के आविष्कार ने जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया है। तकनीक को हमने बडी आसानी से अपना लिया। उच्च शिक्षा में शोध के क्षेत्र मे यह तकनीक का प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में ऑनलाइन शिक्षा सहयोगी हो सकती तथा विदेशी छात्रों को भी भारत की शिक्षा प्राप्त करनें में सहजता होगी। इसीलिये नयी शिक्षा नीति 2020 में इस पर बल दिया गया है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 5, Issue 02, July 2022

नयी प्रौद्योगिकी क्षेत्र जैसे आर्टिफिशियल, इंटेलिजेंस मशीन, लर्निग ब्लॉकचेन, स्मार्टवाच, हस्तचलित कम्प्यूटर उपकरण और अन्य प्रकार के साफ्टवेयर द्वारा न केवल यह परिवर्तन होगा कि छात्र क्या सीखता है यह भी परिवर्तन होगा कि वह कैसे सीखता है। ऑनलाइन माध्यम से उच्च शिक्षा की पहुँच को बढ़ाया जा सकता है। शिक्षण अधिगम और आकलन प्रक्रिया भी बेहतर होगा। डिजिटल लाइब्रेरी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा की सीमाओं का विस्तार करेगी जो छात्र–छात्रा महंगे जर्नल्स गुणवत्ता पूर्ण पुस्तके खरीदनें में असमर्थ है डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से सभी प्रकार के ई–पाठ्य सामाग्री निःशुल्क डाउनलोड कर सकते है।

इन तमाम सभ्भावनाओं के साथ ऑनलाइन शिक्षण के लिये भारत में चुनौतियॉ कम नहीं है उच्च षिक्षण संस्थानों में डिजिटल डिवाइस एवं् इण्टरनेट की उपलब्धता ऑनलाइन पढ़ाई के लिये कम्प्यूटर और लैपटाप की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट क्लास की उपलब्धता, ऑनलाइन प्लेटफार्म जैसे जूम, माइक्रोसाफ्ट, गूगल की भी उपलब्ध सर्व सुलभ करता एक भविष्य की चुनौती है। भारत 80 प्रतिशत जनंसख्या कृषि पर निर्भर करती वहॉ ग्रामीण अॅचल के छात्र–छात्राओं तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वंचित वर्ग के छात्र और छात्राओं के लिये ऑनलाइन शिक्षा में समान अवसर प्रदान करना एक कठिन चुनौती हैं। तकनीकी संस्थानों को छोडकर ज्यादातर उच्च शिक्षण से जुडें शिक्षकों के विदेशी ऑनलाइन षिक्षण की नयी विद्या उनकों भी अपडेट होना है। शिक्षको को तकनीक का शिक्षण में प्रयोग हेतु प्रशिक्षित करना होगा तभी ऑनलाइन शिक्षण सर्व सुलभ हो सकती हैं।

परम्परागत शिक्षा तथा ऑनलाइन शिक्षण का मिश्रित स्वरूप तैयार कर भविष्य के लिये एक नवीन शिक्षण पद्धति तैयार करना होगा क्योंकि ऑनलाइन शिक्षण कक्ष शिक्षण का विकल्प नही है। आपदा में ऑनलाइन शिक्षण ने अवसर प्रदान किया है तकनीक का शिक्षण में प्रयोग कर भविष्य में शिक्षण को कैसे सुलभ बनाया जा सके। ऑनलाइन शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग होने से हमें उस पर निर्भरता रहती है जबकि ऑफलाइन में कही पर किसी भी परिस्थितियों में शिक्षण दिया जा सकता है। शिक्षण और शिक्षार्थी आमने सामने होता है। इसलिये आवश्यकता यह है कि उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा अनुसंधान के साथ ही प्रयोग में लिये जायें।

निष्कर्ष :– हम देखते है कि ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली कोविड महामारी के समय आपात स्थिति में शिक्षण की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में आयी। इसकी सम्भावनाओं को देखते हुये उच्च शिक्षा में तकनीक का प्रयोग कर हमे शिक्षा को सर्वसुलभ तथा शोध क्षेत्र में इसका प्रयोग कर देष विदेश के विद्वानों से ज्ञानार्जन या ई–कन्टेन्ट प्राप्त कर सकते है। आपदा में ऑनलाइन शिक्षा ने अवसर दिया की तकनीक का प्रयोग हम इसके सकारात्मक पक्ष को अपना सकते है किन्तु हम देखते है यह कक्ष शिक्षण का विकल्प अभी नही है। ऑनलाइन शिक्षा अच्छी तरह से तरह से अनुसंधान के पश्चात् ही प्रयोग में लायी जाये। इस दिशा में सरकार के सम्मुख सर्वसुलभता इण्टरनेट, विद्युत आपूर्ति, तकनीक उपकरणों प्रशिक्षित शिक्षकों, वंचित वर्गो तक सुविधाओं को पहुचानें की बडी चुनौती है। अधूरी तैयारी के साथ अपनाने से इसके नकारात्मक प्रभाव दृष्टिगत होगें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. कुमार विक्रमादित्य – ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली, मार्च 2021।
2. द्विवेदी, किरन – शिक्षा में नवाचार, ठाकुर पब्लिकेशन, 2021।
3. पी0डी0 पाठक – अधिगम एवं शिक्षण, श्री बिनोद पुस्तक मन्दिर, 2020।

4- **Nichols, M. (2020).** ***Transforming Universities with Digital Distance Education: The Future of Formal Learning***(link is external)**. London: Routledge.**

5- **Alexander, B. (2020).** ***Academia Next: The Futures of Higher Education***(link is external)**. Baltimore: John Hopkins University Press.**

6. **Lowenthal, P. R., & Dennen, V. P. (Eds.) (2020).** ***Social Presence and Identity in Online Learning***(link is external)**. New York: Routledge.**